Nai Dunia (Indore), 06th June 2025, Indore City Page – I

विद्यार्थियों के सामने प्रवेश के लिए अब भी प्रतिस्पर्धा से गुजरना होगा

आइआइटी इंदौर में प्रवेश के लिए कड़ा मुकाबला, इस बार 1364 सीटें बढ़ाई

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: जेईई एडवांस का रिजल्ट जारी हो चुका है। अब आइआइटी के लिए जोसा पर काउंसलिंग शुरू हो गई है। सरकार ने इस बार आइआइटी के लिए 1364 सीटें बढ़ाई हैं, जिससे अब 23 आइआइटी में 18,500 से अधिक बीटेक सीटें उपलब्ध हैं। इन आइआइटी में सीटें जरूर बढ़ी हैं, लेकिन विद्यार्थियों के सामने प्रवेश के लिए अब भी प्रतिस्पर्धा से गुजरना होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, इन सीटें बढ़ने के बावजूद एक से पांच रैंक तक का अंतर होगा। ऐसे में पिछले साल की तरह ही विद्यार्थियों के सामने चुनौती होगी।

इधर, आइआइटी इंदौर भी विद्यार्थियों की प्रमुख पसंद बनते जा रहा है। वैसे तो आइआइटी बांबे और आइआइटी दिल्ली विद्यार्थियों की क्रमशः पहली और दूसरी पसंद होते हैं, लेकिन पिछले कुछ सालों के रुझानों को देखें तो आइआइटी इंदौर में प्रवेश के लिए भी मुकाबला बढ़ रहा है। अन्य आइआइटी की तुलना में पिछले वर्ष आइआइटी इंदौर कटआफ के लिहाज से टाप 10 में शामिल था। विशेषज्ञ नीरज दुबे ने बताया कि पिछले साल कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग शाखा की क्लोजिंग रैंक लगभग 1350-1400 थी, गणित और कंप्यूटिंग लगभग 2100 और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग 3800 थी। इन्हीं रैंक के आधार पर आइआइटी इंदौर में प्रवेश मिल सकता है।

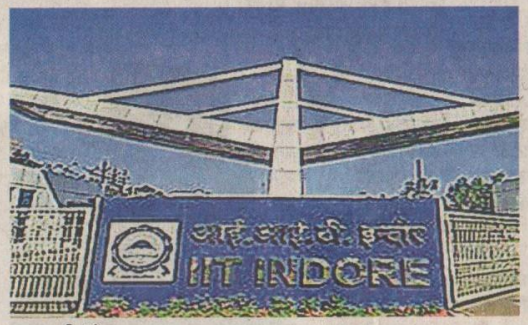

आइआइटी इंदौर

पिछले वर्ष ये थी क्लोजिंग रैंक

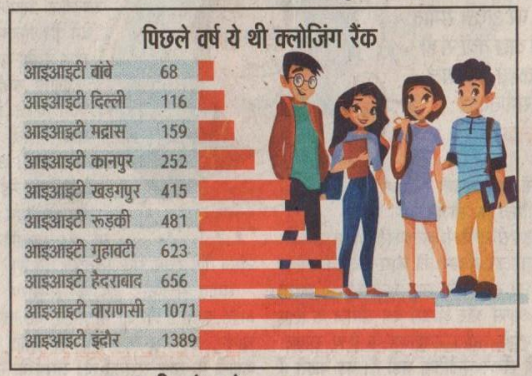

इसलिए बनी पसंद

विशेषज्ञों के अनुसार, आइआइटी बांबे और आइआइटी दिल्ली विद्यार्थियों की क्रमशः पहली और दूसरी पसंद होते हैं। यहां कंप्यूटर साइंस ब्रांच सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और मैकेनिकल इंजीनियरिंग भी छात्रों के बीच ज्यादा लोकप्रिय हैं। वहीं, नवीन रुझान के अनुसार, विद्यार्थी गणित और कंप्यूटिंग को भी अपने अगले पसंदीदा विकल्प के रूप में चुन रहे हैं। आइआइटी इंदौर भी इंजीनियरिंग की ये ब्रांच मौजूद हैं। साथ ही इन शाखाओं में आइआइटी इंदौर का प्लेसमेंट लगभग 90 प्रतिशत है और औसत वेतन 21 लाख प्रति वर्ष है। यही कारण है कि आइआइटी इंदौर पसंद किया जाने लगा है। विशेषज्ञ विजित जैन के अनुसार, एक समय तक आइआइटी धनबाद भी अधिक पसंद किया जाता था, लेकिन अब विद्यार्थी आइआइटी इंदौर को प्राथमिकता दे रहे हैं।

यहां भी मौके

- एनआइटी
- आइआइआइटी
- अन्य शासकीय और अशासकीय तकनीकी संस्थान।

यहां भी प्रवेश के अवसर

विशेषज्ञ अवनीश पांडेय के अनुसार, आइआइटी के अलावा देश के कई ऐसे संस्थान भी हैं, जहां विद्यार्थियों को जेईई एडवांस की रैंक के आधार पर सीधे प्रवेश दिया जाता है। हालांकि, यहां प्रवेश कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम भी निर्भर होता है।

- राजीव गांधी इंस्टिट्यूट आफ पेट्रोलियम टेक्नोलाजी - यह एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, जो पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया है। आरजीआइपीटी का प्राथमिक उद्देश्य पेट्रोलियम और ऊर्जा क्षेत्र में वाली शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान प्रदान करना है।
- इंडियन इंस्टिट्यूट आफ साइंस एंड टक्नोलाजी, बैंगलोर - इंडियन इंस्टिट्यूट और स्पेस साइंस एंड टेक्नोलाजी - यह भारत का पहला अंतरिक्ष विश्वविद्यालय है, जो इसरो और भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग द्वारा समर्थित है और इसे डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा भी प्राप्त है। आइआइएसटी अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था।
- इंडियन इंस्टिट्यूट आफ, बैंगलोर - यह विज्ञान और इंजीनियरिंग में उन्नत अनुसंधान और शिक्षा के लिए जाना जाता है।
- राजीव गांधी इंस्टिट्यूट आफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी - एक स्वायत्त और राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, जो पेट्रोलियम व ऊर्जा प्रौद्योगिकी में शिक्षा और अनुसंधान प्रदान करता है।